



2027-28 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य केवल 25 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा

भारत सरकार ने 2027-28 रबी विपणन वर्ष (अप्रैल-मार्च) के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में केवल 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ौतरी की घोषणा की है। कृषि लागत और मूल्य आयोग (सी ए सी पी) की सिफ़ारिशों के आधार पर, भारतीय मंत्रिमंडल ने गेहूं और पांच अन्य रबी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा 30 सितम्बर, 2026, को की। आगामी विपणन वर्ष के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,610 रुपये प्रति क्विंटल है जो कि 2026-27 में 2,585 रुपये प्रति क्विंटल था।

पिछले वर्ष से गेहूं का समर्थन मूल्य 0.96 प्रतिशत बढ़ाया गया है। जौ का समर्थन मूल्य 136 (करीब 6.32 प्रतिशत) रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गया है।

तिलहनों और दालों का समर्थन मूल्य सबसे अधिक बढ़ाने की सिफ़ारिश की गई है। कुसुम के मूल्य में 675 रुपये प्रति क्विंटल (करीब 10.32 प्रतिशत) की वृद्धि की गई है।

सरसों-तोरिया का समर्थन मूल्य 413 रुपये प्रति क्विंटल (करीब 12.90 प्रतिशत), मसूर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 390 रुपये प्रति

क्विंटल (करीब 5.57 प्रतिशत), और चना का मूल्य 83 रुपये प्रति क्विंटल (करीब 1.41 प्रतिशत) बढ़ाया गया है।

2027-28 मौसम में सरकारी खरीद के लिए रबी फ़सलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य

फ़सल	2027-28 (रुपए/ क्विंटल)	2026-27 (रुपए/ क्विंटल)	बढ़ौतरी (रुपए/क्विंटल)	बढ़ौतरी प्रतिशत में
गेहूं	2,610	2,585	25	0.96 %
जौ	2,286	2,150	136	6.32 %
चना	5,958	5,875	83	1.41 %
मसूर	7,390	7,000	390	5.57 %
सरसों-तोरिया	6,613	6,200	413	6.66 %
कुसुम	7,215	6,540	675	10.32 %